नाहरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

वन वभिाग ने मौजूदा कानूनी जटलिताओं को दूर करने के लयि **नाहरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य** की सीमाओं को संशोधति करना शुरू कर दयि है। यह पहल **राजस्थान के प्रधान मुख्य वन संरक्षक** और **मुख्य वन्यजीव वार्डन** की अध्यक्षता में जयपुर में आयोजति एक बैठक के दौरान शुरू हुई।

प्रमुख बदिु

- **बैठक में चर्चा:**
  - बैठक में नम्निलखिति के बीच असमानताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रति कयि गया:
  - **अभयारण्य की मूल अधसिूचना 22 सतिंबर 1980** को जारी की गई थी।
  - **8 मार्च, 2019 को पारसि्थतिकि-संवेदनशील क्षेत्र (ESZ) अधसिूचना** जारी की गई।
  - जयपुर चड़ियिाघर के उप वन संरक्षक (वन्यजीव) ने अभयारण्य की मूल सीमा का ववरिण प्रस्तुत कयि।
  - वर्ष 1980 की अधसिूचना में केवल 11 GPS नर्दिेशांकों का उपयोग करके अभयारण्य की सीमाओं को परभिाषति कयि गया था।
  - वर्ष 2019 के ESZ मानचत्रि में 100 संदर्भ बदिु चह्निति कयि गए हैं, जसिसे महत्त्वपूर्ण सीमा अंतर सामने आए हैं।
  - इन वसिंगतयिों के परणिामस्वरूप कई कानूनी मामले और न्यायालयी चुनौतयिाँ सामने आईं।
- **अभयारण्य मानचत्रि को संशोधति करने का नर्णिय:**
  - **प्राधकिारयिों ने राजस्व अभलिखों और 1980 की अधसिूचना के आधार पर अभयारण्य का संशोधति मानचत्रि** बनाने का नर्णिय लयि ।
  - जयपुर चड़ियिाघर के उप वन संरक्षक (वन्यजीव) को नया मानचत्रि तैयार करने का कार्य सौंपा गया।
  - **मसौदा मानचत्रि की समीक्षा एक समतिि द्वारा की जाएगी और तत्पश्चात अनुमोदन के लयि राज्य सरकार को प्रस्तुत** कयि जाएगा।
- **पर्यावरण कार्यकर्त्ताओं का वरिोध:**
  - पर्यावरण कार्यकर्त्ताओं ने अभयारण्य और ESZ मानचत्रिों में वसिंगतयिों को उज़ागर कयि है तथा वन वभिाग पर गलत मानचत्रि तैयार करने का आरोप लगाया है।
  - लोकायुक्त के पास शकियत दर्ज कराई गई, जसिने इस मुद्दे पर ध्यान दयि।
- **वन प्राधकिारयिों की प्रतक्रियि:**
  - **राजस्थान के मुख्य वन संरक्षक** कार्यालय ने लोकायुक्त को जवाब देते हुए कहा:
    - सात वर्ष बाद मानचत्रिों पर सवाल उठाना अनुचति था।
    - अभयारण्य और ESZ मानचत्रि स्वीकृत और सटीक थे।

नाहरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

- **परचिय:**
  - यह राजस्थान के **जयपुर से लगभग 20 कलिोमीटर दूर** अरावली पहाड़यिों में स्थति है।
  - इसका नाम **नाहरगढ़ कलि** के नाम पर रखा गया है, जो जयपुर के संस्थापक **महाराजा सवाई जय सहि द्वतिीय द्वारा नर्मिति 18वीं शताब्दी** का कलिा था।
  - इसका क्षेत्रफल **720 हेक्टेयर** है।
  - इसमें **नाहरगढ़ जैवकि उद्यान** भी शामलि है, जो **शेर सफारी** के लयि प्रसद्धि है।
- **वनस्पति: इसमें शुष्क पर्णपाती वन, झाड़यिाँ और घास के मैदान** शामलि हैं ।
- **जीव-जंतु:**
  - **स्तनधारी:**
    - सामान्य प्रजातयिों में **तेंदुए, जंगली सूअर, हरिण, शेर, बाघ, स्लॉथ बीयर** और वभिन्नि छोटे स्तनधारी शामलि हैं।
  - **पक्षी:**
    - पक्षी प्रेमयिों के लयि यह एक स्वर्ग है, जहाँ **मोर, उल्लू और ईगल** जैसी प्रजातयिाँ पाई जाती हैं।
  - **सरीसृप एवं उभयचर:**

- **इंडियन रॉक अजगर और मॉनटिर लिज़ार्ड** जैसे सरीसृपों का नविास स्थान।
- यहाँ **मेंढक और टोड** जैसे उभयचर प्राणी भी पाए जाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nahargarh-wildlife-sanctuary